विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 29 जून 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

8. प्रकृतिभावः - जहाँ पर दो स्वरों के मेल से होने वाली सन्धि को रोक दिया जाता है उसे प्रकृति भाव कहते हैं। इसमें वर्णों के विकार अर्थात् परिवर्तन का भाव नहीं होता। प्रकृति भाव का अर्थात है – जैसा है वैसा ही रहना। अतः इस सन्धि को अंतर्गत दोनों वर्ण जैसे थे वैसे ही रहते है।

(क) द्विवचनान्त शब्दों के ई, ऊ तथा एव का प्रकृतिभाव

(ख) अदस् शब्द के रूपों के अन्त में म् के बाद यदि ई, ऊ, ए आए, तो सन्धि नहीं होती।

(क) द्विवचनान्त ईकारान्त, ऊकारान्त तथा एकारान्त शब्दों के ई, ऊ तथा ए का प्रकृतिभाव

मुनी + इमौ - मुनी इमौ

बालिके + एते _बालिके एते

(ख) अदस् शब्द के रूपों के अन्त में म् के बाद आने वाले ई, ऊ, ए आए तो प्राकृतिकभाव

अमी + अत्र - अमी अत्र

अमू + आगच्छत _ अमू आगच्छत